



INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

रोहतास जनपद में स्त्री पुरुष साक्षरता में विषमता का भौगोलिक अध्ययन-

डॉ विवेक कुमार राय शिक्षक

श्री शिवपूजन शास्त्री उच्च माध्यमिक विद्यालय नरवर भागीरथा रोहतास

प्रस्तावना

साक्षरता मानव शास्त्रीय दृष्टिकोण से ऐसा पक्ष है जिसके आधार पर सामाजिक विकास का मापदंड निश्चित किया जा सकता है जनसंख्या भूगोल में साक्षरता जनसंख्या का सामाजिक पक्ष होते हुए भी ऐसा और गुणात्मक तथ्य है जो क्षेत्रीय आधार पर परिवर्तनशील सामाजिक आर्थिक प्रवृत्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित करता है वस्तुतः साक्षरता के विकास से मनुष्य सीमित परिवेश से बाहर निकल कर अपने क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक प्रवृत्तियों से अन्योन्याश्रित संबंध स्थापित कर लेता है यही कारण है कि जनसंख्या भूगोल विषय में साक्षरता को सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति का विश्वसनीय सूचक माना जाता है। साक्षरता को किसी भी क्षेत्र समुदाय अथवा व्यक्ति के सामाजिक आर्थिक विकास को प्रदर्शित करने वाले सूचक के रूप में जाना जाता है शिक्षा अथवा समुदाय के सामाजिक आर्थिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है साक्षरता दर में क्षेत्र लिंग तथा समय के सापेक्ष भिन्नता पाई जाती है जनगणना 2011 के अनुसार जनपद रोहतास में पुरुष एवं महिलाओं की साक्षरता दर क्रमशः प्रतिशत रही है जो इनके बीच एक बड़े अंतर को प्रदर्शित करता है इस प्रकार का अंतर जनपद के सामाजिक आर्थिक प्रदेश में एक प्रमुख बाधा है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. जनपद में पुरुषों में स्त्री साक्षरता में पाए जाने वाले अंतर का विकासखंड बार सूक्ष्म विश्लेषण करना है।
2. जिला स्तर पर उसके अंतर को स्पष्ट करना है।

विधि तंत्र

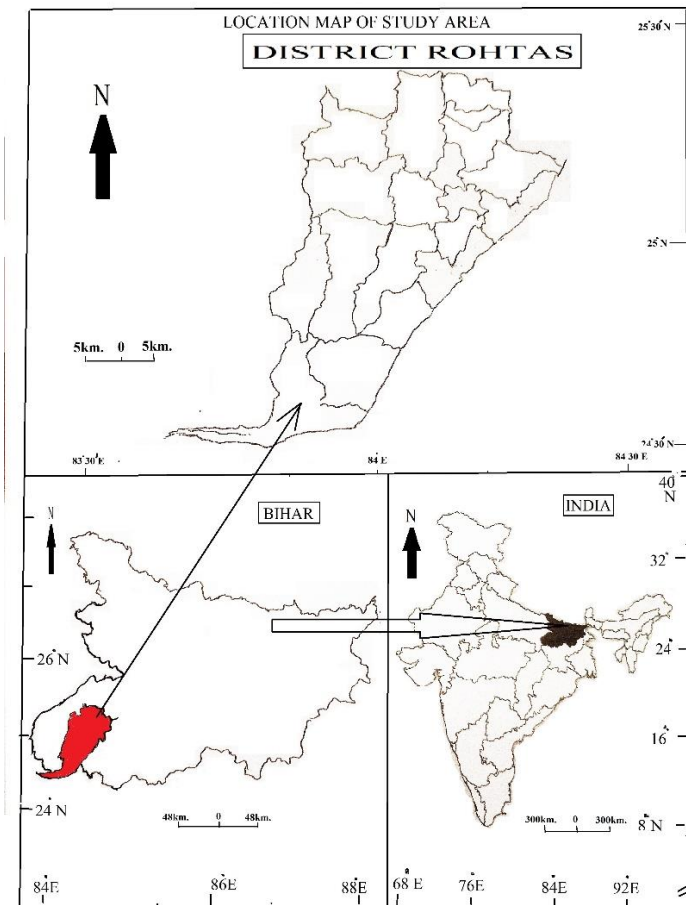
- प्रस्तुत अध्ययन में मुख्यतः द्वितीयक आंकड़ों के को विभिन्न स्रोतों से संग्रह करते हुए विश्लेषण किया गया है। साक्षरता से संबंधित सभी आंकड़े संख्यिकी पत्रिका एवं भारत की जनगणना 2001 और 2011 से प्राप्त किया गया है।
- सोफर द्वारा विकसित विषमता सूचकांक (DISPARITY INDEX) विधि के प्रयोग द्वारा स्थानिक प्रतिरूप का विश्लेषण किया गया है।
- $DI = \log(X_2/X_1) + \log(100 - X_1)/(100 - X_2)$
- जहाँ, Di= डिस्पैरिटी इंडेक्स
- X_1 = पुरुष साक्षरता का प्रतिशत
- X_2 = महिला साक्षरता का प्रतिशत

तथा $X_2 \geq X_1$

- असमानता सूचक का मान

अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक परिचय

रोहतास जनपद 24°30' उत्तरी अक्षांश से 25°25' उत्तरी अक्षांश तथा 83°45' पूर्वी से 84°22' पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है यह जिला 3881 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत है यह क्षेत्रफल की दृष्टि से बिहार में चौथे स्थान पर है यह जनपद उत्तर में भोजपुर कामा बक्सर दक्षिण में झारखंड के पलामू गढ़वा जिले पश्चिम में कैमूर तथा पूर्व में औरंगाबाद एवं अरवल से घिरा है यह प्रशासनिक तौर पर पटना प्रमंडल के अंतर्गत शामिल है इसका प्रशासनिक मुख्यालय है 1972 में शाहाबाद के विभाजन के पश्चात अस्तित्व में आया 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद रोहतास की कुल जनसंख्या 2959918 है जो कि आर्मेनिया देश की जनसंख्या के बराबर है यह जनपद देश के 640 जनपदों में से जनसंख्या के मामलों में 127 स्थान पर है और बिहार के 38 जिलों में 17वें स्थान पर है। यह का जन घनत्व 763 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर या 1980 व्यक्ति प्रति वर्ग मील है जन्मों के मामले में 38 जिलों में 34 स्थान पर है। यहां 2001 से 2011 के मध्य 20.22% की दशकीय वृद्धि दर्ज की गई। रोहतास में लिंगानुपात 918 है जो कि बिहार में लिंगानुपात के मामलों में 22वें स्थान पर है यह लिंगानुपात राज्य के बराबर अनुपात में है। 2011 की जनगणना के अनुसार यहां साक्षरता 73.37% है। जिसमें 82.8 प्रतिशत पुरुष एवं 62.7% स्त्री साक्षरता है यह जनपद 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता के मामले में प्रथम स्थान पर है।



चित्र संख्या 1.1

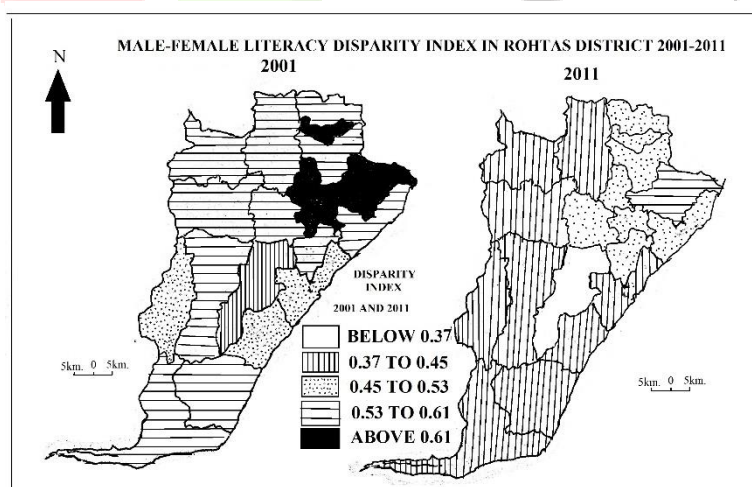
SOURCE- DISTRICT HAND BOOK, ROHTAS 2011

रोहतास जिले में विकासखंडवार स्त्री एवं पुरुष साक्षरता के असमानता सूचकांक का विश्लेषण 2001 एवं 2011

2001					2011				
BLOCK	MALE	FEMALE	TOTAL	DI		MALE	FEMALE	TOTAL	DI
KOCHAS	73.8	44.8	60.2	0.54		83.82	65.87	75.24	0.42
DINARA	74.1	41.8	58.8	0.6		81.52	60.49	71.43	0.45
DAWATH	75	43.1	59.7	0.59		82.22	59.29	71.13	0.5
SURYAPURA	73.6	39.3	56.8	0.63		82.98	60.13	72.06	0.5
BIKRAMGANJ	79	48.3	64.4	0.6		84.29	64.48	74.9	0.47
KARAKAT	77.3	43.6	61.2	0.64		85.26	61.61	73.94	0.55
NASRIGANJ	75.4	44.1	60.4	0.58		83.02	61.06	72.47	0.49
RAJPUR	75.8	42.3	59.8	0.63		85.89	65.16	75.99	0.51
SANJHAULI	79.6	47.3	64.3	0.63		86.71	65.3	76.47	0.53
NOKHA	73.6	42.8	59.0	0.57		82.87	61.92	72.9	0.47
KARAHGAR	75.9	46.0	61.8	0.56		84.82	66.11	75.92	0.45
CHENARI	69.7	40.2	55.8	0.53		80.41	60.34	70.8	0.43
NAUHATTA	60.7	28.9	45.5	0.57		74.05	51.03	63.07	0.43
SHIVSAGAR	74.2	43.4	59.6	0.57		81.42	61.37	71.79	0.44
SASARAM	77.4	54.4	66.6	0.45		82.35	67.19	75.13	0.35
AKODI GOLA	75.7	44.2	60.8	0.59		83.13	60.54	72.33	0.5
DEHRI	81.3	56.0	69.5	0.53		86.11	68.41	77.7	0.45
TILAUTHU	72.0	43.0	58.2	0.53		80.77	60.22	70.99	0.44
ROHTAS	69.5	42.0	56.6	0.49		76.24	55.96	66.41	0.4

SOURCE- DATA CALCULATED BY USING SOPHER'S DISPARITY INDEX TECHNIQUES

तालिका संख्या 1.1



चित्र संख्या 1.2

विश्लेषण एवं परिणाम

- प्रादेशिकविकासखंड स्तरीय विश्लेषण
- लिंग आधारित साक्षरता प्रतिरूप के आधार पर रोहतास जिले में पांच और समानता प्रदेशों का निर्धारण किया गया है।
 - 1 अति निम्नश्रेणी के असमानता का प्रदेश
 - 2 निम्नश्रेणी के असमानता का प्रदेश
 - 3 मध्यम श्रेणी के असमानता का प्रदेश
 - 4 उच्च श्रेणी के असमानता का प्रदेश
 - 5 अति उच्च श्रेणी के असमानता का प्रदेश

उपर्युक्त तालिका के आधार पर यह कहा जा सकता है कि रोहतास जिले में पांच श्रेणी के आधार पर असमानता के प्रदेश वर्गीकृत किए गए किए गए हैं। तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2

1. अति निम्न श्रेणी के अंतर्गत असमानता का प्रदेश

उपर्युक्त तालिका का अध्ययन करने से यह स्पष्ट होता है कि इस श्रेणी के अंतर्गत 2001 की जनगणना में एक भी विकासखंड नहीं था किंतु तमाम शैक्षणिक सुविधाओं के विकास के परिणाम स्वरूप 2011 की जनगणना में सासाराम जो कि एक नगरीय प्रदेश है वहां पर अति निम्न असमानता पाई गई है। तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2

2. निम्न श्रेणी के अंतर्गत असमानता का प्रदेश

उपर्युक्त तालिका का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि 2001 की जनगणना में इस श्रेणी के अंतर्गत सासाराम विकासखंड अकेले ही शामिल था किंतु 2011 की जनगणना में कोचस, दिनारा, करगहर, चेनारी, नोहटा, शिव सागर डेहरी, तिलौथू व रोहतास आदि विकासखंड शामिल किए गए। जिसके लिए शैक्षणिक सुविधाओं का विकास महिला शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं शिक्षा के प्रति किए जाने वाले तमाम सरकारी कार्यक्रम शामिल किए जाते हैं। तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2

3. मध्यम श्रेणी के अंतर्गत असमानता का प्रदेश

तालिका के आधार पर कहा जा सकता है कि 2001 की जनगणना के अनुसार इसके अंतर्गत कुल 4 विकास खंड जिसमें डेहरी तिलौथू चेनारी रोहतास शामिल थे किंतु 2011 की जनगणना के अनुसार इसके अंतर्गत सात प्रखंड शामिल हो गए हैं जिसमें दावत सूर्यपुरा बिक्रमगंज नासरीगंज राजपुर संझौली नोखा और करगहर शामिल हो गया अध्ययन से स्पष्ट है कि दशकीय जनगणना के अंतर्गत पांच श्रेणियों में विभक्त असमानता के प्रदेशों में उत्तरोत्तर एक श्रेणी ऊपर की ओर विकास हुआ है। तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2

4. उच्च श्रेणी के अंतर्गत असमानता का प्रदेश

इस श्रेणी के अंतर्गत 2001 की जनगणना में कुल 10 विकासखंड शामिल थे किंतु 2011 की जनगणना के अनुसार अब मात्र केवल एक काराकाट विकासखंड रह गया इसके पीछे कारणों की जब खोज की गई तो पता चला कि यहां के नजदीक में बिक्रमगंज एवं सासाराम विकासखंड आते हैं यहां सड़को का अभाव विद्यालयों की कमी एवं गरीबी के कारण असमानता आज भी मौजूद है। तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2

5. अति उच्च श्रेणी के अंतर्गत असमानता का प्रदेश

उपरोक्त तालिका संख्या 1.1 एवं चित्र संख्या 1.2 का अध्ययन करने से यह स्पष्ट होता है कि 2001 की जनगणना के अनुसार इस श्रेणी के अंतर्गत 4 विकासखंड थे विद्यालयों की उपलब्धता सड़क मार्गों का विकास विभिन्न स्तरों पर चलाई जाने वाली सरकारी सुविधाएं जिसके अंतर्गत मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, सेनेटरी नैपकिन योजना एवं विभिन्न प्रकार की बालिकाओं के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं शामिल है जिसके कारण आज वर्तमान समय में स्त्री साक्षरता में काफी परिवर्तन हुआ है यही कारण है कि 2011 की जनगणना में श्रेणी के अंतर्गत एक भी विकासखंड शामिल नहीं है।

निष्कर्ष

जनपद रोहतास बिहार में साक्षरता के मामले में प्रथम स्थान पर है 2001 एवं 2011 की जनगणना में साक्षरता का अध्ययन करने पर यह प्रतीत होता है कि स्त्री और पुरुषों की साक्षरता में किस दशक के अंतर्गत काफी परिवर्तन देखने को मिले हैं 2001 की तुलना में 2011 में शिक्षा में लिंग आधारित असमानता में काफी कमी आई है इसके लिए आधारभूत शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना उन में गुणवत्ता आधारित शिक्षकों की नियुक्ति, प्राइवेट शैक्षणिक संस्थाओं का विस्तार, सरकारी स्तर पर चलाई जाने वाली विभिन्न शैक्षिक योजनाएं,

सड़कों का विस्तार, आवागमन के साधनों का विस्तार, सामाजिक सुरक्षा एवं लिंग आधारित बालिकाओं के लिए चलाई जाने वाली विशेष योजनाओं ने इस दशक के अंतर्गत लिंग आधारित असमानता को काफी कम किया है।

REFERENCES:-

1. ROHTAS DISTRICT CENSUS HANDBOOK 2001 & 2011
2. TRIPATHI, R. D. (1999) "JANANKIKI EVM JANSANKHYA ADHYAYAN" VASUNDHARA PRAKASHAN.
3. GOSAL, G. S. (1967) : Regional Aspects of Rural Literacy of India, Transaction of India Council of Geographers, Vol-4.

